ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 172

उदयपुर, बांसवाड़ा, कोटा में एटीएस ने मॉक ड्रिल के बहाने एफसीआई में पकड़े 28 फर्जी जवान, गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान एटीएस ने शनिवार को फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के विभिन्न केंद्रों पर एक साथ की गई कार्रवाई में 28 फर्जी जवानों को गिरफ्तार किया है। इनमें से कई उदयपुर व बांसवाड़ा जिले के एफसीआई गोदामों में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात थे। एटीएस को सूचना मिली थी कि एफसीआई में काम कर रहे कई सिक्योरिटी गार्ड खुद को भारतीय सेना से रिटायर्ड जवान बताकर फर्जी दस्तावेजों से नौकरी कर रहे हैं। इस पर एटीएस की टीम ने मॉक ड्रिल का बहाना बनाकर दस्तावेजों की जांच की, जिसमें 28 लोगों के कागजात फर्जी पाए गए।

दलालों को हर महीने देते थे कमीशन

एटीएस आईजी विकास कुमार ने बताया कि एफसीआई में सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती में 90 प्रतिशत पद रिटायर्ड सैनिकों के लिए आरक्षित होते हैं। इसका फायदा उठाकर आरोपियों ने फर्जी आर्मी आईडी कार्ड और रिटायरमेंट सर्टिफिकेट बनवाए। नौकरी लगने के बाद ये गार्ड 3 से 5 हजार रुपए प्रति माह कमीशन के रूप में दलालों को देते थे।

कोटा, भीलवाड़ा, उदयपुर और बांसवाड़ा में दबिश

एटीएस टीम ने उदयपुर, कोटा, भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के 31 एफसीआई ठिकानों पर दबिश देकर कार्रवाई की। एफसीआई उदयपुर क्षेत्र के कई गोदामों में मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा गार्डों से दस्तावेज मांगे गए। जांच में फर्जी डॉक्यूमेंट मिलने पर 28 लोगों को हिरासत में लिया गया।

बड़ा फर्जीवाड़ा, तीन केस दर्ज

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पिछले 3 से 4 वर्षों से नौकरी कर रहे थे। उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनवाने के लिए 30 से 50 हजार रुपए तक खर्च किए थे। एटीएस ने अब तक तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं और दलालों की तलाश शुरू कर दी है। एटीएस अधिकारियों का कहना है कि इस फर्जीवाड़े में संगठित गिरोह सक्रिय है, जो सरकारी संस्थानों में फर्जी आर्मी दस्तावेजों से नौकरी लगवाने का काम करता है। एटीएस की पूछताछ के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों का खुलासा जल्द किया जाएगा।

कफ सिरप से 25 बच्चों की मौत : दवा कंपनी मालिक गोविंदन रंगनाथन पर कोर्ट में हमला करने की कोशिश

10 दिन की रिमांड पर भेजा, अधिवक्ताओं ने पैरवी से किया इंकार



24 न्यूज अपडेट

छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश), 10 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप से हुई 25 बच्चों की मौत के मामले में गिरफ्तार दवा कंपनी मालिक गोविंदन रंगनाथन को शुक्रवार को परासिया कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान आरोपी पर लोगों और वकीलों ने हमला करने की कोशिश की और अदालत परिसर में उसे फांसी देने की मांग उठाई गई।

कोर्ट ने भेजा 10 दिन की रिमांड पर

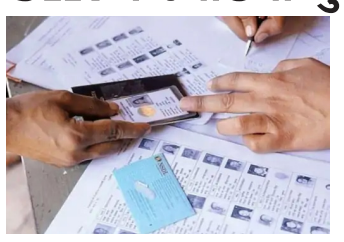
आरोपी गोविंदन रंगनाथन को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट शैलेंद्र उइके की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। सुबह करीब 11 बजे राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (SIT) आरोपी को लेकर परासिया पहुंची थी। उसे पेशी से पहले परासिया थाने में रखा गया था।

रंगनाथन की कंपनी 'श्रीसन फार्मास्युटिकल्स' में बने कफ सिरप के सेवन से छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा क्षेत्रों में अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। कई अन्य बच्चे नागपुर के अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनका इलाज जारी है। परासिया अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्याम कुमार साहू ने बताया कि जिले का कोई भी वकील रंगनाथन की पैरवी नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अगर बाहर से कोई वकील उसकी पैरवी करने आता है तो अधिवक्ता संघ उसका भी विरोध करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग ठुकराई

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई या न्यायिक जांच की मांग को खारिज कर दिया है। वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दायर कर केस की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई की एक्सपर्ट कमेटी से कराने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गठित SIT पहले से जांच कर रही है, इसलिए फिलहाल किसी अन्य जांच एजेंसी को सौंपने की आवश्यकता नहीं है।

बिहार के बाद अब देशभर में SIR करवाएगा चुनाव आयोग



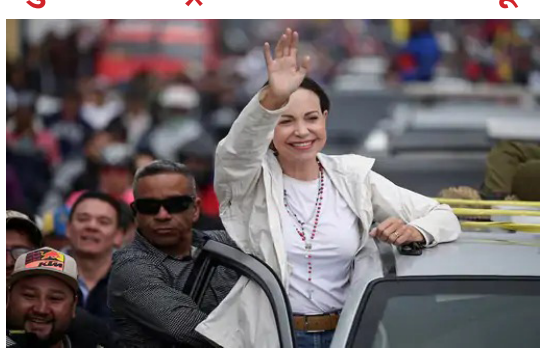
24 न्यूज अपडेट

चुनाव आयोग (EC) बिहार के बाद अब देशभर में फेजवाइज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी SIR (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करवाएगा। न्यूज एजेंसी PTI को चुनाव आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

PTI के अनुसार, देश में SIR की शुरुआत उन राज्यों से होगी, जहां अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पहले फेज में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन होगा।

दरअसल, चुनाव आयोग SIR के तहत वोटर लिस्ट की जांच करता है। आयोग के अनुसार, इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं, जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने 6 अक्टूबर को कहा था कि सभी राज्यों में SIR शुरू करने का काम चल रहा है। इसके रोलआउट पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग लेगा। तीनों आयुक्त राज्यों के लिए SIR शुरू करने की तारीखों पर फैसला लेने के लिए मिलेंगे। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए CEC कुमार ने 24 जून को बिहार SIR शुरू करते समय अखिल भारतीय SIR की योजना की घोषणा की थी।

मुंगेरीलाल ट्रम्प के हसीन सपने चूर : वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो को शांति का नोबेल पुरस्कार

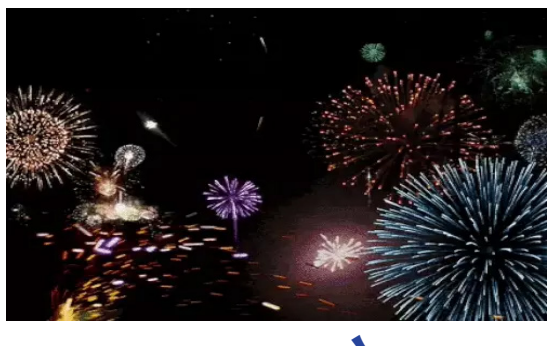


24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नेशनल डेस्क। ओस्लो – वेनेजुएला में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और तानाशाही से लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण बदलाव लाने के लिए मारिया कोरीना मचाडो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया। मचाडो पिछले 20 वर्षों से देश में लोकतंत्र के लिए लगातार संघर्ष कर रही हैं और विपक्ष को एकजुट करने तथा नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नोबेल समिति ने कहा कि आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तानाशाही बढ़ रही है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, ऐसे समय में मचाडो जैसे साहसी नेताओं की हिम्मत और प्रयास उम्मीद जगाते हैं। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि लोकतंत्र ही स्थायी शांति की आधारशिला है और ऐसे लोग जो हिंसा और डर के बावजूद जनहित के लिए खड़े होते हैं, उन्हें सम्मानित करना जरूरी है। मारिया मचाडो ने 'सुमाते' संगठन की स्थापना की, जो देश में मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है। 2012 में उन्होंने वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति का भाषण रोककर जनता के जब्त किए गए संपत्ति को लौटाने की मांग की थी, जिससे वे विश्व स्तर पर साहसी विपक्षी नेता के रूप में पहचानी गईं। मचाडो को पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इनमें 2024 का सखारोव पुरस्कार, 2024 वाच्लाव हावेल मानवाधिकार पुरस्कार, 2025 करेज अवॉर्ड, और 2018 में बीबीसी द्वारा "दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं" में शामिल करना शामिल है।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से नोबेल पुरस्कार के दावेदार रहे, लेकिन नोबेल कमेटी ने उन्हें इस वर्ष के लिए नहीं चुना। शांति का यह नोबेल पुरस्कार 10 दिसंबर को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में मचाडो को प्रदान किया जाएगा। नोबेल समिति ने कहा कि मचाडो ने सभी तीन मापदंडों को पूरा किया – विपक्ष को संगठित किया, सैन्यकरण के खिलाफ खड़ी रहीं और लोकतंत्र को समर्थन दिया। वेनेजुएला में मचाडो को "आयरन लेडी" कहा जाता है। देश में अब भी वे छिपकर रह रही हैं, लेकिन उनका साहस लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पटाखों पर पूरी तरह बैन लगाना असंभव: दिल्ली-NCR के राज्यों ने कहा- बच्चों को त्योहार मनाने दें, बिना रोक-टोक पटाखे फोड़ने दिए जाएं



24 न्यूज अपडेट

दिवाली से कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन हटाने की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने कहा- दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाना असंभव सा है। यह व्यावहारिक और आदर्श नहीं है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि ऐसे प्रतिबंधों का अक्सर उल्लंघन होता है। इसी के साथ बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को बनाने और बेचने की परमिशन देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली-एनसीआर के राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- बच्चों को त्योहार मनाने दें। बिना टाइम लिमिट और रोक-टोक पटाखे फोड़ने दिए जाएं।

इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे बनाने की मंजूरी दी थी। लेकिन बिना कोर्ट की इजाजत NCR में बिक्री न करने की शर्त रखी थी। दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं।

7 सालों से दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन

दरअसल, 2017 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाते हुए ग्रीन पटाखे जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद 2018 में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। 2024 तक यह बैन लगा रहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदूषण स्तर ज्यादा नहीं घटा। साथ ही लोग अक्सर प्रतिबंध तोड़ते रहे। इसी वजह से दिवाली पर बैन का उल्लघंन होने के बाद कोर्ट ने दिल्ली में सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर रोक लगा दी। 19 दिसंबर 2024 को दिल्ली सरकार ने 2025 के पूरे साल पटाखों पर बैन का नोटिफिकेशन जारी किया था।

कोर्ट ने पूछा- क्या बैन से प्रदूषण घटा

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भी सुनवाई के दौरान पूछा कि 2018 से पटाखों पर चल रहे पूर्ण प्रतिबंध कोई ठोस असर पड़ा है या हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- प्रदूषण का स्तर करीब वही रहा। हालांकि, कोविड लॉकडाउन के दौरान इंडस्ट्रीज और वाहन गतिविधियां बंद थीं तो प्रदूषण कम हुआ था।

सचिन तेंदुलकर ने अपना स्पोर्ट्स-ब्रांड 'टेन एक्स यू' लॉन्च किया : बोले- मेरा मकसद भारत को खेलों से प्यार करने वाले देश से खेलने वाला देश बनाना है



24 न्यूज अपडेट

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार (10 अक्टूबर) को अपने स्पोर्ट्स एथलेटिक ब्रांड 'टेन एक्स यू' को लॉन्च किया। मुंबई के बांद्रा में मेहबूब स्टूडियो में हुए इस लॉन्च इवेंट में सचिन की पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ-साथ पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रवीण आमरे और BCCI के मौजूदा चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर भी मौजूद थे।

इस ब्रांड का मकसद भारत को खेलों से प्यार करने वाले देश से खेलने वाला देश बनाना है। इसके अलावा 'टेन एक्स यू' ब्रांड का फोकस लोगों में खेल के जुनून को बढ़ाना और उन्हें सही प्रोडक्ट्स देना है, जो न सिर्फ एथलीट्स के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी हों। इस ब्रांड के तहत स्पोर्ट्स शूज, टी-शर्ट्स के अलावा कई और प्रोडक्ट्स भी बेचे जाएंगे।

ब्रांड को तैयार करने में 18 महीने लगे

सचिन ने लॉन्च पर कहा, 'आज हमने 'टेन एक्स यू' ब्रांड लॉन्च किया, मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं।' उन्होंने बताया कि इस ब्रांड को तैयार करने में करीब 18 महीने लगे। इसके अलावा उन्होंने अपने करियर के एक्सपीरियंस को इसमें डाला है।

सचिन ने कहा, 'मैंने अपने करियर में जो कमी महसूस की, उसे हमने इस ब्रांड में पूरा करने की कोशिश की है। क्रिकेट शूज के साथ-साथ कई ऐसे प्रोडक्ट्स बनाए हैं, जो आम लोग भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको एथलीट होने की जरूरत नहीं है। मेरा मकसद है कि हमारा देश खेलों से प्यार करने वाले देश से खेलने वाला देश बने। ये बहुत जरूरी है।'

सोना 1,104 सस्ता हुआ, 1.21 लाख/10 ग्राम पर आया:चांदी 1.64 लाख के ऑलटाइम हाई पर, इस साल 78,483 महंगी हुई

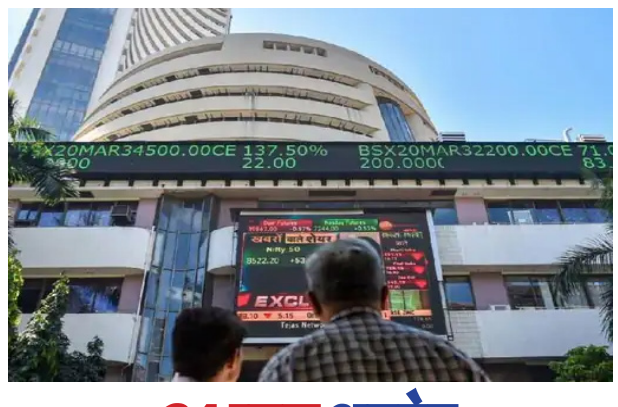


24 न्यूज अपडेट

सोने की कीमत में लगातार चार दिन में 5,675 रुपए की बढ़ोतरी के बाद शुक्रवार (10 अक्टूबर) को गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,104 रुपए गिरकर 1,21,525 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये गुरुवार को 1,22,629 रुपए पर था, जो सोने का ऑल टाइम हाई प्राइस था।

वहीं, चांदी की कीमत आज पहली बार 1.64 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। ये 4,950 रुपए बढ़कर 1,64,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 1,59,550 रुपए प्रति किलो के भाव पर थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने की वजह से चांदी की कीमत में पांचवें दिन बढ़त देखने को मिल रही है।

सेंसेक्स 328 बढ़कर 82,500 पर बंद हुआ:निफ्टी भी 103 अंक चढ़ा; बैंकिंग-रियल्टी और फार्मा शेयर्स चढ़े



24 न्यूज अपडेट

सेंसेक्स आज यानी, 10 अक्टूबर को 328 अंक चढ़कर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 103 अंक की तेजी रही, ये 25,285 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी और 8 में गिरावट रही। PSU बैंक, रियल्टी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

संपादकीय : जोखिम की तकनीक

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं। तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है। इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने वह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उचन नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है। कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है। इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है। अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आर्थिक भ्रष्टाचार से लेकर अन्य आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने या उन्हें खत्म करने के दावे के साथ डिजिटल दुनिया विस्तार किया गया, कुछ जगहों पर व्यवहार में इसे अनिवार्य बना दिया गया, मगर आज हालत यह है कि सख्त कानूनों के बावजूद फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह साइबर संजाल में रोज नए तरीके अपना कर आम लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। हालांकि एक समस्या डिजिटल यंत्रों के उपयोग में लापरवाही से लेकर प्रशिक्षण की सीमा की भी है, लेकिन इससे साइबर सुरक्षा का सवाल बेमानी नहीं हो जाता। निश्चित रूप से 'डिजिटल इंडिया' एक आकर्षक नारा है, लेकिन अगर इसमें जोखिम का पैमाना इतना ही ऊंचा रहता है, तो इसकी कामयाबी संदिग्ध ही रहेगी।

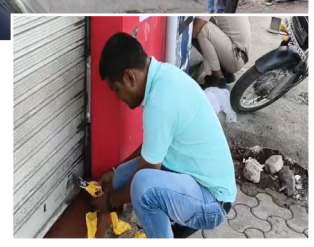
उत्पीड़न का तंत्र

हरियाणा में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की आत्महत्या और उससे जुड़े तथ्यों के संबंध में जैसी खबरें आई हैं, वे विचलित करने वाली हैं। यह अफसोसनाक है कि देश में फैली कुरीतियों और दुराग्रहों को दूर करने की उम्मीद जिस तंत्र से की जाती है, कई बार वह खुद भी इससे मुक्त नहीं दिखता है। गौरतलब है कि हरियाणा में भारतीय पुलिस सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी वाई पूरन कुमार ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लगातार 'असहनीय उत्पीड़न' से तंग आकर आत्महत्या कर ली। उन्हें अधिकारों और अन्य मुद्दों से संबंधित मामलों में मुखर हस्तक्षेप के लिए जाना जाता था। खबरों के मुताबिक, एक 'आखिरी नोट' में उन्होंने कुछ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न, जाति आधारित भेदभाव, सार्वजनिक अपवन और दुर्भावनापूर्ण तरीके से छद्म शिकायतें दर्ज कराने आदि का गंभीर आरोप लगाया। भारतीय पुलिस सेवा के तहत अपने पद पर काम करते हुए किसी उच्च अधिकारी के सामने भी अगर आत्महत्या की नौबत आती है तो यह हर स्तर पर चिंता की बात होनी चाहिए। सवाल है कि सरकारी तंत्र के भीतर भी दबाव की राजनीति कैसे इस तरह काम करती है कि एक व्यक्ति के सामने जीने-मरने का सवाल आ खड़ा हो। सही है कि हमारे समाज में आज भी समाज के हाशिये के तबकों के खिलाफ बहुस्तरीय भेदभाव और उत्पीड़न की जड़ें गहरी दिखाई देती हैं और कमजोर पृष्ठभूमि के लोग कई बार इसका सामना नहीं कर पाते। लेकिन उम्मीद की जाती है कि पद, प्रभाव या आर्थिक हैसियत में सक्षम होने के बाद किसी व्यक्ति के खिलाफ सार्वजनिक अपमान, अत्याचार या जाति आधारित भेदभाव करना आसान नहीं होता। अफसोस की बात है कि इस तरह के द्वेष के मनोविज्ञान और उसके काम करने का ढांचा इतना जटिल और बारीक होता है कि कई बार इसका शिकार होने वालों के सामने विकल्प सिमटते जाते हैं। हालांकि हरियाणा में पुलिस अधिकारी की आत्महत्या की घटना में जांच का कोण फिलहाल उनके 'आखिरी नोट' पर निर्भर है, लेकिन इसकी गहन और पारदर्शी तरीके से जांच इसलिए भी जरूरी है कि आरोपों की सत्यता सामने आए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो और यह सभी स्तर पर एक सबक का काम करे।

वाह रे यूडीए!!! आरके सर्कल के दुकानदारों की कर दी 'हैप्पी दिवाली" जब बन रही थी तब नींद में थे अफसर?? या फिर खा रहे थे रिश्वत??







24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) भी गजब है। जब अवैध निर्माण हो रहे होते हैं तो अफसर आंखें बंद करके उनको होने देते है। और जब निर्माण हो जाते हैं, धंधा चल निकलता है। त्योहार पर कारेबारी सीजन आता है तब अचानक उनको याद आता है कि अब इसको सीज कर लेते हैं। इनकी हैप्पी दीवाली कर देते हैं। बहाना बनाते हैं कि हमने नोटिस दिए थे। अरे भाई, सवाल ये है कि नोटिस क्यों देने पड़े। उनको पहले सस्पेंड करो जिन अफसरों के होते हुए ये निर्माण हो गए। पूरी 35 अवैध दुकानें बन गई और पता ही नहीं चला। यह लॉजिक दोगे तो बच्चा भी हंसकर चार बातें सुना देगा यूडीए को। गजब के गोरखधंधे चल रहे हैं यूडीए में। कई बार तो लोग सोच में पड़ जाते हैं कि अफसर तख्वाह किस बात की ले रहे है। अतिक्रमण करने देने की या अतिक्रमण रोकने की। वे शहर की जमीनों के कानूनी संरक्षक हैं। चाहें तो उनकी परमिशन के बिना एक भी ईंट ना लगे। मगर यहां रिसोर्ट बन जाते हैं। उसके बाद सीज करके ये खबरें छपवाते हैं।, इस हद की बेशमी है। इनको कोई जन प्रतिनिधि नहीं रोकता, कोई नेता नहीं रोकता क्योंकि सबकी सेटिंग है। अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर तक नेताओं कहने पर होती तो इनसे उम्मीद ही क्या की जाए??? 35 दुकानों के लगा दिए ताले शुक्रवार को आरके सर्कल चौराहे पर अवैध रूप से बनी करीब 35 से अधिक दुकानों को सीज किया गया। कार्रवाई यूडीए आयुक्त राहुल जैन के निर्देश पर की गई, जिसमें प्राधिकरण के अधिकारी, बड़ी संख्या में पुलिस बल और होमगार्ड के जवान मौके पर मौजूद रहे। बताया गया कि आरके सर्कल चौराहे पर लंबे समय से अवैध रूप से दुकानों का संचालन किया जा रहा था। बार-बार नोटिस के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए गए, जिसके बाद यूडीए ने सख्ती दिखाते हुए यह कार्रवाई की। निर्माण होने किसने दिए उस पर अब तक यूडीए ने जिम्मेदारी ही नहीं तय की है। इस कार्रवाई के दौरान व्यापारियों में हड़कंप मच गया और कई दुकानदारों ने मौके पर यूडीए अधिकारियों से चर्चा की। हालांकि, प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल अनाधिकृत कब्जों और अवैध निर्माणों को हटाने के लिए की जा रही है, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था और सौंदर्य दोनों को बनाए रखा जा सके। यदि सौंदर्य का इतना ही आत्मबोध व चिंता थी तो अतिक्रमण होने क्यों दिया यह सवाल उठ रहा है। क्या अतिक्रमण के समय रिश्वत खाई थे, यह सवाल लोग अफसरों से पूछ रहे हैं।

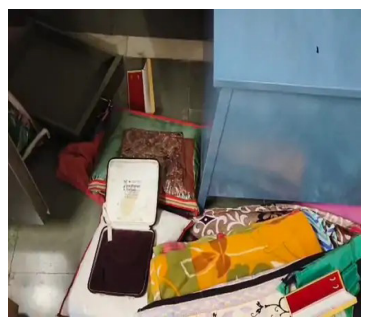
बोटलनेक से बेरोकटोक गुजर रही क्रेन!!! हादसा हुआ तो कौन जिम्मेदार??



24 न्यूज अपडेट

शक्तिनगर बोटल नेक राजनीतिक वादाखिलाफी का क्लासिकल उदाहरण बन चुका है। जन प्रतिनिधियों और अफसरों ने झूठी वाहवाही लेने के लिए झूठे वादे करके यहां के निवासियों के मकान तुड़वा दिए लेकिन बोटल नेक नहीं हटा पाए। मुआवजे का वादा करके मुकर गए। जो कभी बोटलनेक को हटाने की बात करते हुए इसे अपनी उपलब्धियों में शुमार करते थे वे अब पूछने पर मुंह छिपाते फिर रहे हैं। सरकारी नियमों की दुहाई देकर मुआवजे और यहां से रास्ता निकलने की बात से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसे में यह रास्ता जानलेवा और नासूर बन गया है। रही सही कसर नगर निगम के अफसरों की शह पर यहां से रोज गुजरने वाले डंपरों, क्रेनों और बड़े वाहनों ने पूरी कर दी है। आप खुद तस्वीरों में देख लीजिए कि किस गुरूर के साथ यह क्रेन वाला बोटल नेक से गुजर रहा है। अव्वल तो उसके यहां से गुजरने पर ही चालाना हो जाना चाहिए था लेकिन उल्टा क्रेन का ड्राइवर राहगीरों को ही डांटता और फटकारता हुआ यहां से गुजर रहा है। इस गलत काम का कॉन्फिडेंस उसको यातायात पुलिस और निगम के अधिकारियों के नाकारेपन की वजह से मिला है। सरेआम सीनाजोरी हो रही है। क्रेन वाले को पता है कि अगर अनहोनी हो गई तो उसको बचाने नेता और अफसर कानून के सामने खड़े हो जाएंगे। लेकिन किसी दिन हादसा हो गया या कोई कुचला गया तो इसका जिम्मेदार आखिर कौन होगा?? जिस रास्ते से दुपहिया वाहन तक गिरते पड़ते निकल रहे हैं वहां से क्रेन और भारी वाहन का गुजरना सचमुच चिंताजनक है। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए।

पत्रकार कॉलोनी में बड़ी चोरीः 27 लाख के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पत्रकार कॉलोनी में गुरुवार रात एक सूने मकान में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने मकान से करीब 27 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और डेढ़ लाख रुपए नकद चुरा लिए। घटना का खुलासा तब हुआ जब मकान मालिक का परिवार देर शाम घर लौटा। पीछे का दरवाजा खुला, घर का सामान बिखरा पड़ा मिला जानकारी के अनुसार, पत्रकार कॉलोनी निवासी अमृतलाल पटेल शास्त्री कॉलोनी में दुकान चलाते हैं। घटना के दौरान उनकी पत्नी मणि देवी और बेटा हेरंब पटेल किसी काम से खेरवाड़ा गए हुए थे। गुरुवार शाम जब वे घर लौटे तो पीछे का दरवाजा खुला मिला और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। घटना का एहसास होते ही मणि देवी ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग और पार्षद जयेश लोधावरा मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

चोरों ने तोड़ी आलमारियां, ले गए सोना-चांदी और नकदी

पीड़ित हेरंब पटेल ने बताया कि चोरों ने करीब 20 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और डेढ़ लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। चोरों ने बड़ी सफाई से दोनों आलमारियों को तोड़कर कीमती सामान निकाल लिया। सूचना पर पुलिस ने मौके का मुआयना किया और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातें

बुधवार को भी शिवाजी नगर क्षेत्र में एक सूने मकान से चोरी की घटना हुई थी। लगातार हो रही चोरियों से शहरवासियों में दहशत और पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

उदयपुर के किसान रमेश डांगी डेनमार्क में ले रहे हैं उन्नत कृषि प्रशिक्षण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. जिले के वल्लभनगर तहसील के मोरजाई निवासी किसान रमेश डांगी वर्तमान में डेनमार्क में कृषि प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रगतिशील किसानों की क्षमता बढ़ाना और नई तकनीकों से किसानों को अवगत कराना है। पहले राउंड में पूरे राजस्थान से पचास प्रगतिशील किसानों को इस विदेश यात्रा के लिए चुना गया, जिसमें रमेश डांगी का चयन उदयपुर जिले से हुआ। चयन की प्रक्रिया में ऐसे किसानों को प्राथमिकता दी गई, जो न केवल स्वयं खेती में उन्नत तकनीक अपनाते हैं, बल्कि अन्य किसानों का मार्गदर्शन भी करते हैं, ताकि प्रशिक्षण का लाभ व्यापक स्तर पर फैल सके। इस प्रशिक्षण यात्रा में मंत्री ओटाराम देवासी, शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल, संयुक्त निदेशक उद्यान (विस्तार) डॉ. राजेंद्र सिंह, उद्यान विभाग के अधिकारी गणेश लाल मीना और अन्य सरकारी अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। रमेश डांगी को हाल ही में स्वतंत्रता दिवस पर जिला कलक्टर द्वारा प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में उन्नत तकनीकी एवं मशीनरी से खेती करने पर भी सम्मान मिला।

डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक उपभोक्ता राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2025 से सम्मानित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर 2025 — महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलगुरु डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को उपभोक्ता सुरक्षा संगठन, नई दिल्ली द्वारा उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचारपूर्ण कार्यों और समाजोन्मुख सेवा के लिए "उपभोक्ता राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2025" से सम्मानित किया गया।

कुलपति सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजश्री गांधी और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत झा ने उन्हें उपहार और सम्मान पत्र भेंट किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कर्नाटक के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने कृषि और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सेवाओं को समाज की आवश्यकताओं से जोड़ते हुए उन्होंने किसानों, उपभोक्ताओं और विद्यार्थियों के हित में कई नवाचारपूर्ण पहल और गुणवत्ता सुधार किए हैं। उल्लेखनीय है कि यह सम्मान उनके समर्पित शैक्षणिक, प्रशासनिक और मानवीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री शिरीष नाथ माथुर सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

वाणिज्य महाविद्यालय में दीपोत्सव - 4.0 का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। वाणिज्य महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बीबीए प्रोग्राम, वाणिज्य भवन परिसर में दीपोत्सव - 4.0 मनाया गया। बीबीए संयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह राव ने बताया कि दीपोत्सव के उपलक्ष में विद्यार्थियों के बीच मे रंगोली प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, दीपक सज्जा एवं बेस्ट अटायर आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. शुरवीर सिंह भाणावत रहे। उन्होने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया एवं आगे भी इस प्रकार के कार्यकमों के माध्यम से प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए कहा। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका डॉ. रेणु शर्मा व डॉ. आशा शर्मा ने अदा की। कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लौरा एंड ग्रुप द्वितिय स्थान लक्ष्य एंड ग्रुप एवं तृतीय स्थान पर दृष्टि एंड ग्रुप रहा। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में प्रथम स्थान जीवन एंड ग्रुप रहा। दीपक सज्जा में प्रथम स्थान कनिष्का तातेड़ एंड ग्रुप एवं द्वितिय स्थान दिपांशी एंड ग्रुप रहा। बेस्ट अटायर में गर्ल्स वर्ग में प्रथम स्थान रिमझिम सोलंकी व द्वितिय स्थान अनमोल एवं बॉयज वर्ग में प्रथम स्थान यश मेनारिया व द्वितिय स्थान प्रध्युमन जोशी रहे। कार्यक्रम में वाणिज्य महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह, पूर्व अधिष्ठाता प्रो. मुकेश माथुर, डॉ. हेमराज चौधरी, डॉ. ओ.पी. जैन, डॉ. ओ. पी. रुणवाल एवं बी.बी.ए. प्रोग्राम के सभी संकाय सदस्य और विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

गैंगरेप के दो 10-10 हजार के ईनामी आरोपी गिरफ्तार: धोरीमन्ना पुलिस को एरिया डोमिनेशन में मिली बड़ी सफलता



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 10 अक्टूबर। जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना के दिशा-निर्देशों पर चलाए जा रहे विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत धोरीमन्ना पुलिस थाना को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने दो महीने से फरार चल रहे सामूहिक दुष्कर्म के दो 10 -10 हजार के ईनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी थाना स्तर के टॉप-10 अपराधियों की सूची में भी शामिल थे।

पकड़े गए आरोपी भोमाराम पुत्र नारणाराम जाट और हीराराम पुत्र नैनाराम जाट निवासी मुकने का तला थाना धोरीमन्ना है। इन पर विवाहिता का अपहरण और सामूहिक बलात्कार के का आरोप है। घटना के बाद से ही ये दोनों फरार चल रहे थे, जिसके कारण इनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसा राम बोस और वृताधिकारी सुखाराम के सुपरविजन में थानाधिकारी बगडू राम मय टीम ने तकनीकी साधनों और आसूचना के आधार पर लगातार निगरानी रखी। पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी सुरते की बेरी दुधु क्षेत्र में छिपे हुए हैं। जब पुलिस टीम मौके पर पहुँची तो दोनों मुलजिमानों ने पुलिस को देखकर खड़ी फसल में भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनका करीबन डेढ़ से दो किलोमीटर तक पैदल पीछा किया और आखिरकार दोनों को दबोचने में सफलता हासिल की।

एसपी मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि वांछित अपराधियों की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत अब तक 157 ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

झुंझुनूं में 6.4 करोड़ रुपये की चोरी की चांदी जब्त

चेन्नई से गायब 365 किलो चांदी के साथ 3 गिरफ्तार, जयपुर से पिलानी तक चला पीछा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 10 अक्टूबर। एजीटीएफ झुंझुनूं और पिलानी पुलिस ने एक संयुक्त बड़ी कार्रवाई में करीब 6.4 करोड़ रुपये की चोरी की चांदी बरामद कर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। यह भारी मात्रा में चांदी चेन्नई से चोरी हुई प्रतीत होती है और इसे पिलानी कस्बे में छिपाया गया था।

पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश पर एएसपी देवेन्द्र सिंह राजावत और वृताधिकारी विकास धींधवाल के मार्गदर्शन में थानाधिकारी रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में एजीटीएफ टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम देते हुए आरोपी विकास जांगीड़ पुत्र स्वरूप (33), निखिल जांगीड़ पुत्र विजय (24) निवासी केहरपुरा खुर्द थाना बगड व राजबीर जांगीड़ पुत्र रतनलाल (31) निवासी बडी थीरपाली थाना हमीरवास जिला चुरू को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 6.4 करोड़ रुपये कीमत की 365 किलो 715 ग्राम चांदी (चांदी के बर्तन, ईंटें और सजावट का सामान) बरामद किया है।

जयपुर से पिलानी तक के खंगाले दर्जनों सीसीटीवी

एसपी उपाध्याय के निर्देश पर एजीटीएफ और पिलानी पुलिस ने इस ऑपरेशन को बेहद गोपनीयता से अंजाम दिया। चेन्नई पुलिस से सूचना मिलते ही एजीटीएफ टीम ने संदिग्धों का पीछा करना शुरू कर दिया।

टीम ने अपराधियों की लोकेशन ट्रैक करने के लिए जयपुर से लेकर पिलानी तक के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और तकनीकी आसूचना का सहारा लिया। अथक मेहनत के बाद एजीटीएफ टीम को राजगढ रोड स्थित एक कॉलोनी में धर्मपाल जांगीड़ के मकान की सटीक लोकेशन मिली। टीम ने जब दबिश दी, तो मकान के अंदर छिपाई गई चांदी की खेप बरामद हुई।

फिलहाल तीनों संदिग्धों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, ताकि उन्हें हिरासत में रखा जा सके। अग्रिम कार्यवाही के लिए झुंझुनूं पुलिस अब चेन्नई पुलिस के आने का इंतजार कर रही है, जिसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

खेत से चारा लाकर लौट रहे किसान की जहरीले जीव के काटने से मौत



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 10 अक्टूबर। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के नवलश्याम गांव में शुक्रवार को खेतों से चारा काटकर लौट रहे एक किसान की किसी जहरीले जीव के काटने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना एएसआई शिशुपाल सिंह ने बताया कि नवलश्याम निवासी अशोक मनात ने रिपोर्ट दी कि उनके पिता हरिराम मनात सुबह खेतों में पशुओं के लिए चारा काटने गए थे। चारा लेकर घर लौटने के बाद वे पास ही रहने वाले किरायेदार को दूध देने गए, और लौटते समय अचानक जमीन पर गिर पड़े। परिजन तत्काल उन्हें लेकर डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हरिराम के हाथ पर किसी जहरीले जीव के काटने के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि खेत में चारा काटते समय सांप या किसी विषैले कीड़े के काटने से उनकी मौत हुई होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लेकसिटी बनेगी राष्ट्रीय पर्यटन कांफ्रेंस की साक्षी, 14-15 अक्टूबर को होटल मेरिएट में देश के पर्यटन मंत्रियों की बैठक, तैयारियों की कमान कलक्टर ने संभाली



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। झीलों की नगरी उदयपुर एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजन की मेजबानी करने जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटन मंत्रियों की दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस आगामी 14 और 15 अक्टूबर को बड़ी रोड स्थित होटल मेरिएट में आयोजित होगी। इस महत्वपूर्ण कांफ्रेंस में कई राज्यों के राज्यपाल, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, केंद्रीय पर्यटन मंत्री, राज्यों के पर्यटन मंत्री, तथा भारत सरकार और राजस्थान सरकार के उच्चाधिकारी भाग लेंगे। प्रदेश का प्रतिनिधित्व उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा किए जाने का प्रस्ताव है।

कलक्टर ने बैठक लेकर दी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी

जिला कलक्टर नमित मेहता ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पर्यटन नगरी की प्रतिष्ठा के अनुरूप और उच्च स्तर पर संपन्न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कलक्टर ने निर्देश दिए कि एयरपोर्ट पर आगंतुकों के स्वागत के लिए हेल्प डेस्क और मेडिकल टीम तैनात की जाए। एयरपोर्ट से लेकर आयोजन स्थल तक के मार्ग को सुधारने और आकर्षक बनाने के निर्देश यूडीए (UDA) को दिए गए। उन्होंने कहा कि आयोजन के प्रचार-प्रसार हेतु शहर के प्रमुख चौराहों और वीवीआईपी मूवमेंट वाले मार्गों पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए जाएं। साथ ही, अतिथियों के शहर भ्रमण को देखते हुए पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

सुरक्षा और प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान

कलक्टर मेहता ने कहा कि पूर्ववर्ती राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से मिले अनुभवों के आधार पर यह सम्मेलन भी सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जाए। उन्होंने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि आयोजन स्थल और अतिथियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक मात्रा में जाब्ता तैनात किया जाए। बैठक में एडीएम जितेन्द्र ओझा, दीपेन्द्र सिंह राठौड़, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, यातायात डीएसपी अशोक आंजना, जिला परिषद एसीईओ विरमा राम, निगम अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुकेश पुजारी, स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उपनिदेशक शिखा सक्सेना, कजरी महाप्रबंधक कमलेश वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खडकी -सांगानेर-खडकी द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा का संचालन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों पर यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियो की सुविधा हेतु खडकी -सांगानेर-खडकी द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 01407, खडकी -सांगानेर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 18.10.25 से 08.11.25 तक (07 ट्रिप) खडकी से प्रत्येक सोमवार व शनिवार को



09.45 बजे रवाना होकर अगले दिन 06.45 बजे सांगानेर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 01408, सांगानेर-खडकी द्वि- साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 19.10.25 से 09.11.25 तक (07 ट्रिप) सांगानेर से प्रत्येक मंगलवार व रविवार को 11.35 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.30 बजे खडकी पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, कोटा व सवाईमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 04 थर्ड एसी, 06 द्वितीय शयनयान, 06 साधारण श्रेणी, 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 18 डिब्बे होगे।

खाओ-खिलाओ संस्कृति जिंदाबाद : एसएमएस अस्पताल में हर लोकल परचेज पर 5 से 10 फीसदी ले रहे थे न्यूरो वाले 'कमीशनखोर' डाक्टर साब!!



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 24 अक्टूबर। राजस्थान में अस्पतालों में खाओ खिलाओ संस्कृति जड़ें जमा चुकी है। किसी भी अस्पताल का नाम लीजिए, जो पकड़ा गया वो कानून की नजरों में भ्रष्ट मगर जो नहीं पकड़ा गया और सालों से सेटिंग करते हुए खा भी रहा है और खिला भी रहा है, उसका क्या? बहरहाल, यह दस्तूर बरसों से चला आ रहा है व आगे भी नेताओं व अफसरों की कृपा से चलता रहेगा। यह रावण है जो दशहरे पर भी नहीं मरने वाला है। राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह (एसएमएस) में भ्रष्टाचार कोई नई बात नहीं, पर हर लोकल परचेज पर 5 से 10 प्रतिशत कमीशन का सिस्टम अब खुले तौर पर सामने आ गया है। यह सिस्टम इतना संगठित हो चुका है कि अस्पताल की खरीद प्रक्रिया से लेकर बिल पास करने तक हर स्तर पर कट तय है। एसीबी द्वारा न्यूरो विभाग के हेड डॉ. मनीष अग्रवाल की गिरफ्तारी ने इस पूरे रैकेट का सिरा खोल दिया है। जांच में सामने आया है कि अस्पताल में दवाओं, सर्जिकल उपकरणों, सफाई, सुरक्षा और तकनीकी सेवाओं की फाइलें तब तक आगे नहीं बढ़तीं, जब तक तय प्रतिशत की 'एप्रूवल फीस' यानी कमीशन न दे दिया जाए।

फाइल आगे बढ़ाने से पहले तय होता है कमीशन रेट

एसएमएस के विभिन्न विभागों में सप्लाई देने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि बताते हैं कि बिल पास करवाने से पहले विभागीय अधिकारी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कमीशन तय कर लेते हैं। दवाओं और उपकरणों की खरीद में यह दर 5 से 10 प्रतिशत के बीच तय मानी जाती है। कुछ महंगे उपकरणों और तत्काल खरीद वाले ऑर्डर में यह दर और भी अधिक होती है। "यदि कमीशन न दिया जाए, तो स्टोर से लेकर अकाउंट्स तक कोई फाइल आगे नहीं बढ़ती। कई बार तो बिल महीनों तक लटका दिया जाता है।"

डॉक्टर की गिरफ्तारी ने खोला सिस्टम का जाल

न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष अग्रवाल को एसीबी ने हाल ही में एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। वह एक कंपनी के 12.50 लाख रुपए के बिल पास करने के बदले घूस मांग रहा था। पूछताछ में सामने आया कि डॉक्टर ने कंपनी से कहा थाकृ "मेरी पर्सनैलिटी के हिसाब से वैल्यू लगाओ।" यह वही प्रक्रिया थी, जो अस्पताल में वर्षों से एक "रिवाज" की तरह चल रही है।

संगठित तरीके से चलता है 'कट-कल्चर'

अस्पताल प्रशासन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि लोकल परचेज कमेटी में बैठे अधिकारी और विभागीय हेड इस सिस्टम का हिस्सा हैं। स्टोर विभाग से बिल निकलने के बाद संबंधित डॉक्टर या प्रभारी के सिग्नेचर जरूरी होते हैं। उसी स्तर पर कमीशन का 'कट' तय होता है। बिल आगे बढ़ाने के बाद अकाउंट्स सेक्शन में अंतिम सिग्नेचर से पहले भी कुछ हिस्सा बंटता है।

गुणवत्ता पर असर, मरीजों पर बोझ

कमीशन व्यवस्था का सीधा असर अस्पताल की खरीद की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। कई बार घटिया स्तर के उपकरण या दवाएं केवल इसलिए खरीदी जाती हैं कि कंपनी अधिक कमीशन देने को तैयार होती है। परिणामस्वरूप, मरीजों को इलाज में नुकसान झेलना पड़ता है।

एसीबी अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी

एसीबी सूत्रों के अनुसार, यह सिर्फ एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि अस्पताल के अंदर वर्षों से चला आ रहा सिस्टमेटिक करप्शन नेटवर्क है। अब जांच इस दिशा में बढ़ाई जा रही है कि किन-किन विभागों में यह कमीशन सिस्टम सक्रिय है और इसमें कौन-कौन अधिकारी शामिल हैं।

कट कल्चर का कमाल

एसएमएस अस्पताल में डॉक्टर की गिरफ्तारी भले एक बड़ी कार्रवाई हो, लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि इससे "कट कल्चर" का वह तंत्र उजागर हुआ है जो सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की विश्वसनीयता को भीतर से खोखला कर रहा है। जब तक यह कमीशन चक्र समाप्त नहीं होगा, तब तक मरीजों की सेवा से पहले रकम की रसीद चलती रहेगी।

जयपुर से हरियाणा महिला ASI का शव लेकर लौट रहे थे परिजन; फ्लाईओवर पर खड़े ट्रक में घुसी कार, तीन की मौत

24 न्यूज अपडेट

रोहतक/जयपुर। हरियाणा के रोहतक जिले में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा रोहतक के 152D फ्लाईओवर पर हुआ, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रक में एक कार पीछे से जा घुसी। मृतक जयपुर से अपनी रिश्तेदार महिला ASI जोगिंदर कौर का शव लेकर हरियाणा लौट रहे थे।

नींद की झपकी से हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, हादसे में सचिन (27) पुत्र दलबीर निवासी जागसी (सोनीपत), कीर्ति (24) पुत्र सुरेन्द्र और कृष्णा (61) पत्नी रामधन निवासी भागखेड़ा (जींद) की मौके पर ही मौत हो गई। कॉन्स्टेबल दलबीर की पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। रोहतक पुलिस ने बताया कि कार में सवार लोग जयपुर से रात में निकले थे और प्रथमदृष्टया हादसे का कारण नींद की झपकी माना जा रहा है।

शव लेकर लौट रहे थे हरियाणा

जानकारी के अनुसार, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) में तैनात ASI जोगिंदर कौर का गुरुवार को जयपुर के अस्पताल में निधन हो गया था। मृतक कीर्ति अपने परिजनों के साथ जयपुर आए थे और मां के शव को एम्बुलेंस से लेकर लौट रहे थे। उनके पीछे-पीछे अन्य परिवारजन कार में रवाना हुए थे।

तेज टक्कर से कार के उड़े परखच्चे

शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे फ्लाईओवर पर पहुंचने पर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। राहगीरों की सूचना पर महम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने विंडो काटकर चारों को बाहर निकाला, जिनमें से तीन को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने ट्रक और कार दोनों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

चांदी के कड़े के लिए बुजुर्ग महिला के पैर काटने की दर्दनाक वारदात: आरोपी महिला समेत दो गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

सवाई माधोपुर, 24 अक्टूबर। सवाई माधोपुर जिले के गंगापुर सिटी क्षेत्र से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। मजदूरी का झांसा देकर एक बुजुर्ग महिला को पहले बहला-फुसलाकर ले जाया गया और फिर उसके पैरों में पहने चांदी के कड़े निकालने के लिए दोनों पैर काट दिए गए। जानकारी के अनुसार, बामनवास क्षेत्र के सीत्तौड़ा गांव निवासी 65 वर्षीय महिला जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचाराधीन है। महिला ने बताया कि वारदात से कुछ दिन पहले आरोपी उसके घर आया था और मजदूरी दिलाने का वादा किया था। 8 अक्टूबर को आरोपी ने महिला और उसकी बहू को गंगापुर सिटी बुलाया। दिनभर इधर-उधर घुमाने के बाद शाम को आरोपी ने महिला को अपने कमरे पर रोक लिया, जहां एक महिला साथी भी मौजूद थी। उन्होंने बुजुर्ग को खाना खिलाया और रात में घर छोड़ने का बहाना बनाकर उसे पीपली की कोठी इलाके में ले गए। महिला के अनुसार, आरोपी ने रास्ते में गाड़ी रोककर पहले उसका गला दबाया और मुंह बंद कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। जब होश आया तो उसने खुद को झाड़ियों में पड़ा पाया और दोनों पैर कटे हुए थे। घायल अवस्था में वह रेंगते हुए सड़क तक पहुंची, जहां एक ट्रैक्टर चालक ने उसे देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया और जांच शुरू की। जांच के बाद आरोपी रामोतार उर्फ काडू बैरवा (32) और उसकी महिला साथी तनु को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी हाल ही में जेल से छूटकर आया था और पहले भी इस तरह की वारदात कर चुका है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि दोनों ने चोरी किए गए चांदी के कड़े बेच दिए थे। उन खरीदारों की भी पहचान कर ली गई है। यह घटना न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि मानवता को भी झकझोर देने वाली है। घायल महिला की स्थिति फिलहाल नाजुक बताई जा रही है।

सीसीटीवी देने के पुराने आदेश गए कूड़ेदान में, सुप्रीम कोर्ट के डर से जारी कर दिए नए आदेश, जनप्रतिधियों की मिलीभगत से हो रहा अधिकारों का हनन!!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान में पुलिस थानों में करोड़ों रुपए खर्च कर लगाए सीसीटीवी कैमरे आम नागरिकों की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थे। लेकिन कई मामलों और आरटीआई खुलासों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि आम जनता को ही फुटेज नहीं मिल रहे, तो इन कैमरों का असली उद्देश्य क्या रह जाता है। जब भी फुटेज मांगो, नया बहाना तैयार मिलता है। जबकि पुलिस को तो उल्टा सीसीटीवी फुटेज देकर आमजन में विश्वास के अपने प्राइम मोटो को ही साबित करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश और उनकी अनुपालना

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 और 2020 में स्पष्ट आदेश दिए थे कि थानों के सभी हिस्सों में कैमरे लगाना अनिवार्य है, ताकि मानवाधिकारों का उल्लंघन रोका जा सके। 24 न्यूज अपडेट में पत्रकार जयवंत भैरविया की मुहिम के बाद हाल ही में राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतों के मामले में कोर्ट ने सख्त सुनवाई की। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि हर थाने में कितने कैमरे हैं और वे कहां लगे हैं, इसकी जानकारी दो हफ्ते के भीतर दी जाए। निगरानी इंसानी हस्तक्षेप पर नहीं, बल्कि एआई आधारित प्रणाली से होनी चाहिए। लेकिन राजस्थान में राज्य स्तर पर पुराने आदेशों की ही अनुपालना नहीं हुई। कई थानों ने तकनीकी कारण, स्टोरेज न होना, रिकॉर्ड डिलीट हो जाना या जांच के हवाले से आम जनता को फुटेज उपलब्ध कराने से मना कर दिया। आरटीआई के माध्यम से लगातार मांगने पर भी पुलिस ने बहाने बनाना जारी रखा। क्योंकि पुलिस को पता था कि जो नेता व अफसर, जन प्रतिनिधि उनका थाने में होने वाले कामों के लिए बेकअप कर रहे हैं, वे उनको बचा लेंगे।

उदयपुर और अन्य जिलों में कई मामलों में फुटेज न देने के बहाने दिए गए। उदाहरण के लिएः सुखेर थाना, उदयपुर (नवंबर 2024) -तेजपाल मीणा की मौत; फुटेज तकनीकी कारणों से खराब बताया गया। गोगुंदा थाना (मई 2025) - सुरेंद्र देवड़ा की मौत; उपकरण पुराने होने का हवाला। कांकरोली, अलवर, खेतड़ी, परसाद, श्रीगंगानगर, जयपुर, भरतपुर, कोटा दृ विभिन्न मामलों में फुटेज नहीं दिया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर फुटेज आम जनता तक नहीं पहुंचे, तो थानों में कैमरे केवल दिखावा बन जाते हैं।

अब आ गया स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो का नया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अचानक राजस्थान का पुलिस सिस्टम आदर्श बन गया। उसको याद आ गया कि सीसीटीवी कैमरे तो जनता के हितों की रक्षा के लिए हैं। जबकि वही सिस्टम पांच साल से आदेशों को कूड़ेदान में डालकर उसका मजाक बनते देख रहा था। वही सिस्टम शिकायतों पर कुंडली मारकर बैठा था लेकिन सुप्रीम लताड़ पड़ते ही कागजी खानापूर्ति शुरू हो गई। अब स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो राजस्थान ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे का रिकॉर्ड नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, हर थाने में डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाए, जिसमें लिखा हो: "थाना परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है। आवश्यकता होने पर नागरिक नियमानुसार सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर सकते हैं।" यह कदम पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए अहम माना जा रहा है।

नए आदेश की सीमाएं और गहराता संशय

विशेषज्ञ और नागरिक अधिकारों के लिए काम करने वाले लोग बताते हैं कि केवल आदेश जारी करने से काम नहीं चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने जहां-जहां थानों में मौतों की सुनवाई की, वहां सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने का आदेश पहले भी दिया गया था, लेकिन लागू नहीं हुआ। ऐसे में नए आदेश की वास्तविक प्रभावशीलता पर संशय बना हुआ है।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में

हाल ही में डूंगरपुर के डोवड़ा थाना में हुई मौत के मामले में तीन दिन आंदोलन हुआ, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि ने सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग नहीं की। समझौते में भी इस मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं हुआ। इससे सवाल उठता है कि आगे भी आम जनता को फुटेज मिलेगी या नहीं।

करोड़ों रुपए का खर्च, जनता का हक

राज्य सरकार ने थानों में कैमरे लगाने और उनकी मेंटेनेंस पर करोड़ों रुपए खर्च किए। प्रशिक्षण भी दिया गया। लेकिन अगर फुटेज आम नागरिक तक नहीं पहुंचते, तो सारा खर्च और मानव संसाधन व्यर्थ हो रहे हैं।

गेस्ट फेकल्टी के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, उदयपुर द्वारा जिले में संचालित विद्यालय स्तरीय राजकीय छात्रावासों में आवासरत कक्षा 6 से 12 वीं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिये गणित, विज्ञान एवं अग्रेजी जैसे कठिन विषयों हेतु विषय विशेषज्ञ अनुभवी व्यक्तियों विद्या संबल योजनान्तर्गत गेस्ट फेकल्टी के तौर पर सेवाए ली जानी है। राजकीय बालिका छात्रावासों में गेस्ट फैकल्टी के चयन में प्रथम वरीयता महिला आवेदक को दी जावेगी। इच्छुक अभ्यार्थी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संबंधित छात्रावास में 15 अक्टूबर तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है । योजना के तहत् सेवानिवृत कार्मिक/निजी अभ्यार्थियों को गेस्ट फेकल्टी के रूप में लगाया जायेगा । गेस्ट फेकल्टी के चयन के लिए कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी अभ्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर वरीयता सूची तैयार करेगी। विभाग द्वारा उक्त योजनान्तर्गत राजकीय छात्रावासों में गेस्ट फैकल्टी के लिए द्वितीय श्रेणी अध्यापक कक्षा 9-10 के लिए 350 रूपये प्रति घण्टा तथा ग्रेड़ प्रथम अध्यापक कक्षा 11-12 के लिए 400 रूपये प्रति घण्टा मानदेय निर्धारित किया गया है। आवेदन पत्र किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय/छात्रावास से प्राप्त किये जा सकते है ।

होटल में बैठाकर शराब पिला रहे हॉटल से तीन कार्टन बीयर जब्त, बेचने वाला फरार

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पुलिस ने आबकारी अधिनियम में कार्यवाही करते हुए नगर के बांसवाडा मार्ग सेन्ट्रल जेल के पास गमलेश्वर तालाब के सामने स्थित मीड-वे होटल के अन्दर से तीन कार्टन बीयर जब्त की बेचने वाला व्यक्ति मौके से फरार हो गया। त्यौहारो के मध्य नजर होटल में बैठाकर शराब परोसने का कार्य जोरो पर चल रहा था जिस पर पुलिस ने कार्यवाही की। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया की हैड कानि. वालचन्द,कानि राजेश, राजेन्द, निहार मय जाब्ता गस्त करते हुए गमलेश्वर तालाब पहुचे जहा मुखबीर की सुचना पर भीलूडा मैन रोड गमलेश्वर तालाब के सामने,सेन्ट्रल जेल के पास होटल मिड-वे पहुचे जहा एक व्यक्ति होटल काउण्टर के पास खडा था पुलिस को देखकर ग्राहको शराब पीला रहा व्यक्ति फरार हो गया जाब्ते ने होटल की तलाश ली तो होटल के एक ममरे में रखे कार्टन को देखा जिसमें किंग्रफिशर स्ट्रोंग बीयर के दो कार्टन कुल 24 बीयर सेल फॉर राजस्थान व दुसरे कार्टन में टुर्बोर्ग बीयर 12 बीयर बोतल जब्त किये पुलिस के पहुचने पर मौके पर उपस्थित धर्मेश पुत्र रमणलाल बामणिया निवासी खडगदा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया। जांच प्रकाश चन्द्र के जिम्मे की गई।

रविन्द्र पाल सिंह कप्पू बने सिख समाज सेवा समिति के अध्यक्ष



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सिख समाज सेवा समिति की बैठक सिख कॉलोनी में आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से रविन्द्र पाल सिंह कप्पू को अगले दो वर्षों के लिए समिति का अध्यक्ष चुना गया। समिति के पूर्व सचिव आयुष अरोड़ा ने बताया कि बैठक में समाज के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सर्वसम्मति से हुए इस चयन के बाद पूरे समाज में हर्ष का माहौल रहा। आयुष अरोड़ा ने बताया कि रक्तवीर और समाजसेवी रविन्द्र पाल सिंह कप्पू ने अध्यक्ष बनने के बाद कहा कि उनकी प्राथमिकता समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की रहेगी। वे समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा, रक्तदान शिविर, और निःशुल्क चिकित्सा शिविर जैसे सेवा कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

भूमिका सोनी बनी मिसेज़ करवा चौथ क्वीन 2025



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। अनुकृति ग्रुप द्वारा सनातन संस्कृति और भारतीय परंपराओं के संरक्षण हेतु मिसेज़ करवा चौथ क्वीन 2025 का भव्य आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। अनिता माहेश्वरी एवं मंदाकिनी धाबाई ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ वन्दना शर्मा, सुशीला गुप्ता व सुनीता भण्डारी ने दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं ने अपने आत्मविश्वास, सौंदर्य और पारंपरिक गरिमा का मनमोहक प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में भूमिका सोनी बनी मिसेज करवा चौथ क्वीन, भारती ङ्क्षसह व प्रीति टांक फस्र्ट रनर अप रहीं, सेकंड रनर अप ज्योति मेवाड़ा रहीं। अतिथियों ने कहा कि आज की नारी सिर्फ घर तक सीमित नहीं है। वह मंच पर भी अपनी संस्कृति को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकती है। यही भावना इस आयोजन के पीछे रही है। मंच संचालन भंवना नाहटा ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों की झलक, आकर्षक कैटवॉक और मनभावन प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। समापन पर सभी प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप शॉल एवं मोमेंटो प्रदान किए गए। अनुकृति ग्रुप की यह पहल महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और भारतीय त्योहारों से भावनात्मक रूप से जुडऩे का एक सुंदर मंच प्रदान करती है। इस दौरान अनुकृति ग्रुप की सभी सदस्याएं मौजूद रही।

ग्राहक पंचायत ने मंत्री सुमित गोदारा का किया स्वागत, उपभोक्ता हितों को लेकर सौंपा ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन की ओर से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा के उदयपुर आगमन पर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान संगठन प्रतिनिधियों ने उन्हें 'ग्राहक राजा' पुस्तक भेंट की और उपभोक्ता हितों से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। ग्राहक पंचायत के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने जानकारी दी कि ज्ञापन में प्रमुख मांग की गई है कि— प्रत्येक जिले में उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने हेतु उपभोक्ता संरक्षण केंद्रों का गठन किया जाए। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए केवल त्योहारों पर नहीं, बल्कि नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में उपभोक्ता क्लब को पुनः प्रारंभ किया जाए तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 (संशोधित) को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। मंत्री सुमित गोदारा ने ज्ञापन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संगठन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्राहक पंचायत संगठन राज्यभर में उपभोक्ताओं की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और समाधान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भाजपा के जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने भी मंत्री को संगठन की गतिविधियों और जनसेवा कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन निस्वार्थ भाव से उपभोक्ता जागरूकता और अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य कर रहा है। ज्ञापन देने के दौरान प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, हरिशंकर तिवारी, और नारायण पंचोली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में 1 लाख 94 हजार लीटर से अधिक वॉश नष्ट, विभिन्न निरोधात्मक कार्यवाही में 823 केस दर्ज - 707 गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए सितम्बर माह में 1 लाख 94 हजार 266 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में विभिन्न निरोधात्मक कार्यवाही में 823 केस दर्ज करते हुए 707 को गिरफ्तार किया गया। आबकारी आयुक्त के अनुसार प्रदेश में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई। प्रदेश में सितम्बर माह में 1 लाख 94 हजार 266 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में भारत निर्मित विदेशी मदिरा 10460, देशी मदिरा 4667, अवैध मदिरा 5885, बीयर 1902 बोतल सहित एक किलोग्राम भांग एवं 2094 लीटर स्प्रिट सीज किया गया। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत ने बताया कि प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत सितम्बर माह में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्तता पर राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत 823 केस दर्ज करते हुए 707 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध मदिरा परिवहन में प्रयुक्त 27 दुपहिया वाहन, 6 हल्के चार पहिया वाहन, 4 भारी चार पहिया वाहन सहित 37 वाहनों को सीज किया गया है।

नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने एशिया के सबसे बड़े सीएसआर मंच पर रखे विचार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर 2025. नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने एशिया के सबसे बड़े सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी मंच — 12वां इंडिया सीएसआर एंड ईएसजी समिट 2025 (आयोजकः सीएसआरबॉक्स) में मुख्य वक्ता (Key-note Speaker) के रूप में अपने विचार रखे। इस राष्ट्रीय मंच पर अग्रवाल ने "एनजीओ की भूमिका और नारायण सेवा संस्थान की सेवाएं" विषय पर प्रभावी संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि नारायण सेवा संस्थान बीते चार दशकों से निःस्वार्थ भाव से दिव्यांगजन, निर्धन एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा कर रहा है। संस्थान द्वारा अब तक लाखों दिव्यांग व्यक्तियों को निःशुल्क कृत्रिम अंग, उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए एनजीओ और कॉरपोरेट जगत के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सीएसआर के माध्यम से जब सेवा संस्थाएं और उद्योग एक साथ काम करते हैं, तब वास्तविक सामाजिक विकास संभव होता है। कार्यक्रम में देशभर से कॉर्पोरेट जगत, सामाजिक संगठनों और विकास क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपस्थित जनों एवं आयोजकों ने नारायण सेवा संस्थान की सेवा यात्रा और सामाजिक प्रभाव की सराहना की।यह अवसर संस्थान की वर्षों की सेवा साधना का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान की तरह सिद्ध हुआ है। इस दौरान संस्थान निदेशक पलक अग्रवाल, रजत गौड़, रविश कावड़िया और राजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर रूसा कार्यशाला आयोजित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर मदन सिंह राठौड़ ने की. कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तरुण कुमार शर्मा और आयोजक सचिव डॉ. रश्मि सिंह थे। कार्यशाला के अंतर्गत "ओ. सी. डी.का प्रबंधन" विषय पर डॉ. जीतेंद्र जीनगर, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, गीतांजलि हॉस्पिटल ने व्याख्यान दिया। उन्होंने मनोग्रसित-बाध्यता विकार के कारणों, लक्षणों तथा इसके प्रबंधन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक उपचार विधियों पर विस्तार से चर्चा की. दूसरे दिन सत्र का संचालन डॉ. जयेश कुमार सिंह, सहायक आचार्य,रेडियो डायग्नोसिस विभाग, गीतांजलि हॉस्पिटल ने किया. उन्होंने मस्तिष्क की विभिन्न संरचनाओ तथा इमेजिंग तकनीकों जैसे एम.आर.आई., सी. टी स्कैन, पी ई टी स्कैन आदि द्वारा मस्तिष्क विकारों के पहचान पर विस्तृत जानकारी दी।कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में मस्तिष्क और मनोवैज्ञानिक विकारों की वैज्ञानिक समझ को विकसित करना था। कार्यशाला से 50 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया. डॉ वर्षा शर्मा व डॉ.हेमा कुमारी मेहर, डॉ. रमेश बागड़ी, हनुमंत सिंह देवरा उपस्थित रहें। कार्यशाला का संचालन डॉ कोलिका मजूमदार व नंदिता जोशी ने किया.

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।